

संस्रवण पुं. (तत्.) 1. प्रवाहित होना, बहना, चूना, टपकना 2. गिरना, गिराना जैसे- गर्भ का संस्रवण।

संस्रष्टा वि. (तत्.) 1. मेल-जोल या मिलाना-जुलाना करने वाला 2. आयोजन करने वाला 3. बनाने, निर्माण करने वाला, रचयिता 4. लड़ाई-झगड़ा कराने वाला।

संस्त्राव पुं. (तत्.) 1. प्रवाह, बहाव 2. शरीर के घाव, फोड़े आदि में मवाद का इकट्ठा होना 3. तलछट, गाद।

संस्त्रावण पुं. (तत्.) 1. बहाना, प्रवाहित करना 2. बहना, प्रवाहित होना।

संस्त्रावित वि. (तत्.) 1. बहाया हुआ, प्रवाहित किया हुआ 2. चूने से टपक कर या रिसकर निकला हुआ।

संस्त्राव्य वि. (तत्.) बहाने, रिसाने, टपकाने योग्य।

संस्वेद पुं. (तत्.) स्वेद, पसीना।

संस्वेदी वि. (तत्.) 1. जिसके बदन से पसीना निकल रहा हो 2. स्वेदजनक, पसीना लाने वाला, जिसके प्रभाव से पसीना आता हो।

संहत वि. (तत्.) 1. अच्छी तरह गढ़ा, जुड़ा या सटा हुआ 2. जो जमकर ठोस बन गया हो 3. गाढ़ा या घना 4. दृढ़, मजबूत 5. एकत्र, इकट्ठा किया हुआ 6. अच्छी तरह मिलाकर एक किया हुआ 7. चोट खाया हुआ, आहत, घायल पुं. नृत्य में एक प्रकार की मुद्रा।

संहत जानु पुं. (तत्.) दोनों घुटने सटा कर बैठने की मुद्रा जुड़े हुए घुटने।

संहतांग वि. (तत्.) स्वस्थ, हृष्ट-पुष्ट, मजबूत, सुडौल।

संहतीकरण पुं. (तत्.) 1. सघन, मजबूत, सुसंहत बनाना 2. सुसम्बद्ध ठोस, सेहत बनाना, कसना 3. संक्षिप्तीकरण।

संहनन पुं. (तत्.) 1. संहत करना, एक में मिलाना, जोड़ना 2. अच्छी तरह घना या ठोस करना 3.

हनन करना, मारना, बध करना 4. मिलन, मेल 5. दृढ़ता, मजबूती, पुष्टता 6. सामंजस्य 7. देह, शरीर 8. कवच 9. अंग मर्दन, मालिश।

संहनाद पुं. (तत्.) 1. कोलाहल, शोर 2. हिरण्यकशिपु का एक पुत्र।

संहनादन पुं. (तत्.) कोलाहल, शोर करना, चीखना, चिल्लाना।

संहरण पुं. (तत्.) 1. एकत्र, संग्रह करना, बटोरना 2. सिर के बालों को एक साथ बांधना 3. हरण करना, छीनना 4. संहार करना, नाश करना 5. प्रलय।

संहरना क्रि. (तत्.) संहार होना, नष्ट होना, मरना।

संहर्ता वि. (तत्.) 1. एकत्र करने वाला, बटोरने या समेटने वाला 2. नाश या संहार करने वाला 3. मारक, वध करने वाला, हरण करने वाला।

संहर्ष पुं. (तत्.) 1. प्रसन्नता आदि के कारण रोंगटे खड़े होना, रोम-पुलकित होना, उमंग 2. रोमांच 3. स्पर्धा, होड़, ईर्ष्या, डाल 4. रगड़, संघर्ष 5. शरीर की मालिश।

संहार पुं. (तत्.) 1. एकत्र, इकट्ठा करना, संचयन 2. सिर के बाल अच्छी तरह बांधना 3. ध्वंस, नाश, अंत, समाप्ति 4. युद्ध आदि में अनेक लोगों की एक साथ हत्या, नर संहार 5. कल्पांत, प्रलय 6. संक्षेप, सार में कही गई बात 7. किसी कार्य को निष्फल करने की क्रिया, निवारण, परिहार 8. कौशल, निपुणता 9. आकुंचन, सिकुड़ना 10. एक नरक का नाम।

संहारक वि. (तत्.) संहार करने वाला, संहर्ता।

संहारकारी वि. (तत्.) संहारकर्ता, संहारक, नाश करने वाला।

संहारकाल पुं. (तत्.) प्रलय काल, विश्व के नाश का समय।

संहार भैरव पुं. (तत्.) भैरव के आठ रूपों में से एक संहारक रूप, काल भैरव।